Rajastha Patrika, Ajmer
May 26, 2016

आयोग की टीम कर रही थी निरीक्षण

उधर, नवजात का शव लेकर निकली मां

कुपोषण से भी नहीं किया इंकार

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य ने किया निरीक्षण

शिशु रोग विभाग से नवजात का शव गोद में लेकर जाती महिला। पत्रिका

अजमेर @ पत्रिका. राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य रूपा कपूर सहित टीम जिस समय जवाहर लाल नेहरू अस्पताल के शिशु रोग विभाग का निरीक्षण कर रही थी, उसी दौरान एक नवजात ने और दम तोड़ दिया। मां अपनी गोद में नवजात का शव लेकर अस्पताल परिसर से बाहर निकली।

शिशु रोग विभाग में रैफर होकर इलाज के लिए पहुंचे गंभीर बच्चों की मौत के मामले में जांच के लिए पहुंची आयोग की टीम ने आईसीयू में निरीक्षण शुरू किया ही था कि अस्पताल में सत्रहवें बच्चे की मौत हो गई। मसूदा के पुतनी निवासी रेखा के बेटे (उम्र 14 दिन) जो कि 2.16 किग्रा का था, उसकी बुधवार सुबह करीब 11.30 बजे मौत हो गई। बच्चे का जन्म मसूदा में हुआ था और बाद में ब्यावर के अमृतकौर चिकित्सालय से यहां रैफर किया गया था। यहां उसे 21 मई को भर्ती कराया था।

आयोग की टीम ने बच्चों के वार्ड, एमटीसी वार्ड (कुपोषित बच्चों का वार्ड) का निरीक्षण किया। उन्होंने भर्ती बच्चों की मां, परिजन, चिकित्सकों, नर्सिंगकर्मियों एवं सफाईकर्मियों से भी जानकारी जुटाई। एमटीसी वार्ड में निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ चिकित्सकों के मौजूद नहीं होने पर उन्होंने रेजीडेंट व नर्सिंगकर्मियों से रजिस्टर निकलवाकर खंगाले, उन्होंने भर्ती मरीज बच्चों की स्थिति की जानकारी ली। बाद में वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अनिल जैन व अन्य चिकित्सक ने पहुंच स्थिति स्पष्ट की। टीम में कनिष्ठ विशेषज्ञ प्रियंका सिंह, राज्य आयोग के एस.पी. सिंह भी शामिल थे। उन्होंने विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एस. कर्नावट से भी बच्चों की मौत एवं अस्पताल में व्यवस्थाओं पर चर्चा की। आईसीयू में मशीनरी की उलपब्धता होने के बावजूद शुरू नहीं करने पर उन्होंने कहा कि तीन एसी के लिए इतना इंतजार क्यों किया जा रहा है। अस्पताल अधीक्षक डॉ. पी.सी. वर्मा, मेडिकल कॉलेज के प्रिंसीपल डॉ. के.सी. अग्रवाल भी यहां मौजूद रहे।